48.: कृष्णमेघस् तिरोदधे; 11.91.: ऋषिस् तिरोदधे; UR. 73.2.: यत्र मे नयनयोः सा तिरोहिता.

c. नि 1) deponere. HIT. Ser. 40.: मृगान् निधाय; RAGH. 3.50.: मा निधाः पदन् पदव्याम्; 4.1.: दिनान्ते निहितन् तेजः सवित्रा. क्रियान् निधातुम् operam convertere *in alqm rem.* HIT. 8.1. 2) sepelire. MAN. 5.68.: ऊनद्विवार्षिकम् प्रेतन् निदध्युर् बान्धवा वहिः. — *Caus.* deponi, asservari jubere. MAN. 8.30.: प्रणष्टस्वामिकं रिक्थं राजा त्र्यब्दन् निधापयेत्.

c. नि praef. उप deponere. MAN. 8.37.: पूर्वोपनिहितनिधिः.

c. नि praef. प्र deponere, infigere. MAN. 55.21.: यदि मणिस् त्रपुणि प्रणिधायते. — कायम् प्रणिधातुम् corpus prosternere. BH. 11.44. मनो, बुद्धिम् प्रणिधातुम् animum, intellectum intendere, convertere *ad alqd.* BHATT. 6.142. R. Schl. II. 22.14.

c. नि praef. सम् + प्र seponere, negligere. MAH. 3.13194.: तवै 'वा ''ज्ञां सम्प्रणिधाय.

c. नि praef. वि deponere. MAH. 1.2984.: विनिधाय ततो भारं सन्निधाय फलानि च; GITA-GOV. 4.11.: स्तनविनिहितं हारम्.

c. नि praef. सम् *id.* MAH. 1.482.: सन्निदधुस् तत्र ... आयुधानि; 1.2984.: सन्निधाय फलानि. — दृष्टिं सन्निधातुम् adspectum convertere *aliquo, c. loc.* RAGH. 13.44.: दृष्टिं सहस्रार्चिषि सन्निधत्ते. — सन्निहित propinquus. HIT. 22.5.; *v.* सन्निधि.

c. परि circumponere, induere. R. Schl. I. 2.10.: परिधाय वल्कलम्.

c. पुरस् 1) praeponere. MAH. 3.1973. 2) magni facere. RAGH. 12.43.

c. वि 1) ponere, collocare. RAGH. 6.37.: ताम् अग्रतः ... अनूपराजस्य विधाय. 2) dare, tribuere. SU. 1.23.: युवयोर् हेतुना 'नेन ना 'मरत्वम् विधीयते; BH. 7.21. N. 17.21. 3) facere. N. 13.26.: तये 'यम् विहिता पूर्वम् माया; HIT. 27.5.: अस्मै पूजाम् विधेहि; N. 12.121. 4) *ATM.* accipere (sibi dâre). R. Schl. I. 8.27.: पुत्रान् विधास्यते महायज्ञे. IN. 4.3. 5) decernere, constituere. RAM. I. 40.4.: देशो विधीयतां यत्र वत्स्यामहे; *v.* विधान, विधि.

c. वि praef. अनु sequi; obsequi, obtemperare. R. Schl. II. 22.26.: त्वम् अप्य् अनुविधेय माम् प्रतिसंहारय क्षिप्रम् आभिषेचनिकीङ् क्रियाम्. *In Pass. id.* MAH. 1.4721.: तश्चै 'व धर्मम् ... अनुविधीयन्ते; BH. 2.67. (*cf.* MAH. 3.13945.)

c. वि praef. प्रति facere, parare. R. Schl. II. 32.2.: चमूः प्रतिविधीयताम्.

c. वि praef. सम् 1) ponere, imponere. MAH. 2.1510.: पुत्रन् दामोदरोत्सङ्गे देवी सम्व्यदधात्. 2) facere, efficere. RAGH. 1.72.: तस्मान् मुच्ये यथा ... तथा विधातुम् अर्हसि. 3) decernere, constituere. R. Schl. I. 38.4.: यद् अत्रा 'नन्तरङ् कार्यम् ... सम्विधत्स्व; N. 24.4.: विदितम् वा 'थवा 'ज्ञातम् पितुर् मे सम्विधीयताम्; DR. 7.11.

c. सम् 1) conjungere. R. Schl. I. 32.19.: मन्त्रसंहित. Reconciliare. MAN. 7.66.: दूत एव हि सन्धत्ते भिनत्त्य् एवच संहतान्; HIT. 24.15.: सुजनस् तु कनकघटवद् दुर्भेद्यश्चा ''शु सन्धेयः. Se conjungere, societatem inire, pacem inire, *cum instrum.* HIT. 24.5.: शत्रुणा न हि सन्दध्यात्; 119.15.: सत्यधर्मव्यपेतेन न सन्दध्यात्. 2) imponere, *praesertim sagittam arcui.* RAGH. 3.53.: धनुष्य् अमोघं समधत्त सायकम्; 11.28.: सन्दधे धनुषि वायुदैवतम् (अस्त्रम्); MAH. 1.5280.: सन्धत्स्व वाणम्. 3) appropinquare. DR. 8.11.: सन्धाय रथेन (v. सन्निधा). — धनुः सन्धातुम् arcum intendere. RAM. I. 62.32.38.

c. सम् praef. अनु investigare, explorare, exquirere. HIT. 90.21.: दुर्गम् अनुसन्धेहि; 87.21.; MAN. 12.106.; *v.* अनुसन्धान. — आत्मानम् अनुसन्धातुम् mentem colligere. HIT. 125.20.

c. सम् praef. अभि vincere, superare. MAN. 7.159.: तान् सर्वान् अभिसन्दध्यात् सामादिभिर् उपक्रमैः (Schol. वशीकुर्यात्).

c. सम् praef. सम् + अभि 1) imponere. MAH. 3.10452.: प्रदेशिनीन् ततो ऽस्या ''स्ये शक्रः समभिसन्दधे.